

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2015

01478

**ELECTIVE COURSE : ECONOMICS
EEC-14 : AGRICULTURAL DEVELOPMENT
IN INDIA**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer the questions as per instructions given for each section.

SECTION A

(Long-Answer Questions)

Answer any two questions from this section in about 600 words each.

2×20=40

1. What are the land reforms measures introduced in India after Independence ? How far have they been effective in bringing about equitable distribution of land holdings ?
2. Examine the effectiveness of Public Distribution System (PDS) in India. What suggestions do you make for improvements in PDS ?

3. Examine the areas where reforms in agricultural sector in India are required to synchronise this sector with the new economic policy.
4. Discuss the trends in agricultural output during the post-Independence period. Highlight the contribution of area and yield to the increase in production.

SECTION B

(Medium-Answer Questions)

Answer any **four** questions from this section in about
300 words each.

4×12=48

5. Explain the factors taken into consideration while formulating pricing policy for agriculture.
6. Explain how the linkages between agriculture and industry are changing over time in India.
7. Explain the nature of subsidies in agriculture in India.
8. Examine the causes of low agricultural productivity in India.
9. What is an agro industry ? State the distinctive features of agro based industries in India.
10. Describe the main features of the rural artisans. What are their main problems ?

SECTION C

(Short-Answer Questions)

11. Distinguish between any *two* of the following : $2 \times 6 = 12$

- (i) Cropping intensity and Cropping pattern
 - (ii) Social forestry and Farm forestry
 - (iii) Food self-sufficiency and Food security
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

ई.ई.सी.-14 : भारत में कृषि विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : दिए गए प्रत्येक भाग के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

इस भाग से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।

2×20=40

1. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अपनाए गए भू-सुधार उपायों के बारे में बताइए । भू-जोत (land holdings) के समतापूर्ण वितरण में, ये कितने प्रभावी रहे हैं ?
2. भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) की प्रभावशीलता की समीक्षा कीजिए । सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में सुधार के लिए आप क्या सुझाव देंगे ?

3. भारत में कृषि क्षेत्र को नई आर्थिक नीति से सम्यक स्वरूप प्रदान करने के लिए कृषि क्षेत्र में किस प्रकार के सुधार वांछित हैं ?
4. स्वतंत्रता के बाद से कृषि उत्पादन की प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए । उत्पादन वृद्धि में कृषित-क्षेत्र और उत्पादिता के योगदान को उजागर कीजिए ।

भाग ख
(मध्यम-उत्तरीय प्रश्न)

इस भाग से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों
(प्रत्येक) में दीजिए ।

4×12=48

5. कृषि के लिए कीमत-निर्धारण नीति को सूत्रबद्ध करते समय ध्यान में रखने योग्य कारकों की व्याख्या कीजिए ।
6. व्याख्या कीजिए कि भारत में कृषि एवं उद्योगों के बीच अन्तर्सम्बन्ध किस प्रकार बदल रहे हैं ।
7. भारत में कृषि-सहाय्यों की प्रकृति की व्याख्या कीजिए ।
8. भारत में निम्न कृषि उत्पादिता के कारणों की समीक्षा कीजिए ।
9. एक कृषि-आधारित उद्योग क्या होता है ? भारत में कृषि आधारित उद्योगों की विशिष्ट विशेषताएँ बताइए ।
10. ग्रामीण शिल्पकारों (artisans) की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए । इनकी प्रमुख समस्याएँ क्या हैं ?

भाग ग

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो में भेद स्पष्ट कीजिए : $2 \times 6 = 12$

- (i) कृषि सघनता और कृषि स्वरूप
 - (ii) सामाजिक वानिकी और कृषिक वानिकी
 - (iii) खाद्य आत्म-निर्भरता और खाद्य सुरक्षा
-